

१४७

सिद्धरस-दरी प्रकाश

आशा भट्ट
ASHA ARCHIVES

3055

कनक
यमोक्ति
मोक्ष
मनश्च
सि

१४७
नि पुरसुन्दरी पूजा

आशा मरुदधि
ASHA ARCHIVES

3055

॥ नंदकांशीं नवगुरुस्थानमः ॥ जाय ॥ विंशतिं ॥ १० ॥ ॥ साय ॥ कलिकलरुठ
गाकधुगुमार्तुलीमा रुमवरुलकला लीरुनमोकार्थदाता ॥ रुदगवः
गनूनीं चनगादरुसा ॥ कूसमउलरुला श्रीरु कलार्कनमासि ॥ सूर्यायः
समाय ॥ धमाग्रसनकायसवग्रुदिनं धूकुरुतिं टव ग्रामनलायावय
जाय ॥ नंदकांशीं गुवृथनमः ॥ गंगलयगयनमः ॥ रूद्रदवगोयेनमः ॥ ॥
ग्रामनलायनमः ॥ यथिवीरुयाधुतालाका दविर्नविष्कृताः

धुता ल्वं वधाययसीद वि यविर्नकुवृग्रामनं ॥ धर्तं ग्रामनयुगा ॥ ॥ धनरुः
तद्विदियाय ॥ ॥ ग्रामनयुगयुगा यरुतादुविर्मिता ॥ यरुतादि
युक्तर्तज सतस्यनुगिवाहया ॥ ॥ नंदकांशीं गुवृथानमः ॥ नंदकांशीं गुवृथाः
नमः ॥ नंदकांशीं यवगावार्यगुवृथानमः ॥ नंदकांशीं ग्रामनयुगा धयवग्राः
यादकस्थानमः ॥ नंदकांशीं यमायवगुवृथानमः ॥ नंदकांशीं यवगद्विगुवृथा
नमः ॥ नंदकांशीं यवगावार्यगुवृथानमः ॥ नंदकांशीं ग्रामनयुगा धयवग्रा

यादृक्स्थानम॥ धृतिं नमस्कृतं ॥ तन्मासाहकान्यासं कथयत् ॥
अस्य माहकान्यासस्य ब्रह्मासमी ॥ गायत्री कुन्ध ॥ माहकासत्रस्तोत्रताह
लावी जानित्वमा ॥ कययका कीलकं ॥ अर्थन्यासविनयाग ॥ ॥ अंकसं
गं यदं अंकदयायनम॥ ॥ यदं अंकमं ॥ ॥ गिरमस्याह ॥ उंटं ॥ उंटं ॥ उंटं
गिरमयेवष्ट ॥ नंतं थंदं धनं कवयायदं ॥ उंटं वं वं वं वं ॥ अंकदयायने
वट् ॥ अंकनं वं वं वं वं वं ॥ अंकदयायने ॥ ॥ अंकनम॥ यस्याल

म॥ अंकनम॥ खालयाकम॥ ॥ अंकनम॥ अवमिखास॥ ॥ अंकनम॥ खवमिखास॥
उंटनम॥ अवक्रमस॥ उंटनम॥ खवक्रमस॥ मंतनम॥ अवक्रामरुनिस॥ मंत
म॥ खवक्रामरुनिस॥ ॥ अंकनम॥ अवदतालम॥ ॥ अंकनम॥ खवदतालम॥ ॥ अंकनमः
काथुक् ॥ सीम॥ ॥ अंकनम॥ थं थं थं ॥ सीम॥ ॥ अंकनम॥ का ॥ सीम॥ ॥ अंकनम॥ थं थं थं
थं ॥ अंकनम॥ मा ॥ उंट वन ॥ ॥ अंकनम॥ मं ॥ वन ॥ ॥ अंकनम॥ अ वं ॥ वं ॥ वं ॥
नम॥ अ वं ॥ वं ॥ ॥ अंकनम॥ अ वं ॥ वं ॥ ॥ अंकनम॥ अ वं ॥ वं ॥ ॥ अंकनम॥

उवयविनिधाम॥ र्यनमः खववा हाउम॥ कुंनमः खववलास॥ कुंनमः खववक
यिम॥ मंनमः खवयं विदि काम॥ थंनमः खवयविनिलसिम॥ टंनमः खव
कलवकलिस॥ ॐनमः खवयू॥ ॐनमः खवयं का॥ ॐनमः खवक यिः
म॥ ॐनमः खवयं विनिलसिम॥ ॐनमः खवकलवकलिस॥ थंनमः खव
यू॥ ॐनमः खवयं विदि॥ थंनमः खवयालिस॥ नंनमः खवयविनिधाम॥
यंनमः खवयं का॥ रंनमः खवयं का॥ वंनमः नाहिस॥ रंनमः याथम॥

मंनमः नूगललाहिस॥ र्यनमः कंथूम॥ र्यनमः खववं सुनिस॥ लंनमः सि
लराम॥ र्यनमः खववं सुनिस॥ ॐनमः नूगलनिश्च खवलाहातलं॥ र्यनमः
नूगलनिश्च खवलाहातलं॥ रंनमः नूगलनिश्च खवयाडुगितलं॥ रंनमः
नूगलनाश्च खवयाडुगितलं॥ लंनमः नूगलनिश्च ननाहिरां॥ रंनमः नूखवउ
तयूथगां॥ ॥ थगंसाहकान्याम॥ ॥ नंनं उडवकायनमः॥ क्रांयू
यववकायनमः॥ सोः॥ ददिगवकायनमः॥ नंनं उडवकायन

[illegible][illegible]

याय ॥ ध्यान ॥ तं कुरुते नृपतमं काशं मानिक्यतिनागीनां नवयौवनसंय
त्रा शिखरी च वरुणं ॥ काशीं कुरुते नृपतमं काशं मानिक्यतिनागीनां ॥ जकर्यं क
उमध्वस्तं दिव्यं नृपतमं काशं मानिक्यतिनागीनां ॥ जकर्यं क
मयगतं नृपतमं काशं मानिक्यतिनागीनां ॥ जकर्यं क
य ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मनाथा गणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सकला मातृका कुरुते नृपतमं काशं मानिक्यतिनागीनां नवयौवनसंय
त्रा शिखरी च वरुणं ॥ काशीं कुरुते नृपतमं काशं मानिक्यतिनागीनां ॥ जकर्यं क
उमध्वस्तं दिव्यं नृपतमं काशं मानिक्यतिनागीनां ॥ जकर्यं क
मयगतं नृपतमं काशं मानिक्यतिनागीनां ॥ जकर्यं क
य ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मनाथा गणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अत्र कांती विभर्ति मलिमूकटवर्गं नम्रगार्ढकवर्गं रुकांती केसराणां कू
षासदनधनूः ॥ यकेर्विस्मयवर्गं ॥ अयिनाहु इव कांती मूकटवर्गं विलसमान
दात्राक्षालीनां साताम्रीशजडका मन्त्राणां सूचयतामीश्वरासाध्यामि ॥ गमा
४५ ०५ कांती यज ॥ यकयक्षिमा विक्रम ॥ कांती कालवक्रव्यती ग्रीवादूकां
यज्यामि नमः ॥ कांती मूलावक्रव्यती ग्रीवादूकां यज्यामि नमः ॥
कांती मातृकावक्रव्यती ग्रीवादूकां यज्यामि नमः ॥ कांती त्रिवक्र

व्यती ग्रीवादूकां यज्यामि नमः ॥ कांती चतुर्वक्रव्यती ग्रीवादूकां
यज्यामि नमः ॥ कांती पञ्चवक्रव्यती ग्रीवादूकां यज्यामि नमः ॥ कां
ती सूर्तिवक्रव्यती ग्रीवादूकां यज्यामि नमः ॥ कांती त्रिवक्रव्यती ग्री
वादूकां यज्यामि नमः ॥ ॥ ततः ४५ नमः ३० विनाशाय ॥ उक्तप्रका
शनादयं विस्मयवर्गः अत्राह यम् ॥ नमः सदा यदा वनाम्भुः कायमानन्दमि
गम् ॥ सर्वरुतादिभिरातः वक्रद्वियमव्यति ॥ यदित्वा अत्राह नादिमूकटवर्गः

[illegible][illegible]

मदं॥ जलस्नान॥ तं क्रीडोऽंगीति यत्र सूच्यते जलस्नानं समर्थं यामिनः
 म॥ ॥ अथांकुन॥ ॥ यन्मन॥ एविक उच्यते नमः यतः कुरु त्रिकुं कर्म॥
 गृहाण यत्र मंदिवं ललाटं हट्टं वरुणं॥ एतियत्र मंदिवं यत्र नमः त्रिभुजः
 यामिनम॥ यन्मन॥ सिंदूरमाहर्तुं दिवा वध्वा कर्तव्यं नृपिणं॥ वीररुद्र
 यत्र मारुतं गृहाण यत्र वन्दिता॥ एतियत्र सूच्यते सिंदूरं विलययामिन
 म॥ सिंदूरं॥ कवचावजयाजाला वंधूकवक्रयाटलं॥ यालिगातादिकं यव्यं

नमस्तुभ्यंनिवेदितां॥ श्रीगिर्यत्रमंदजादवीयूष्यंतिश्रद्धयाभिनमः॥ यूष्यं
॥ नानायूष्यसूगंधानि लक्ष्मींजज्जयदं॥ गृहानयत्रमंयूष्यंरुक्कटं
रुक्कटसल॥ यूष्यंयूष्य॥ ॥ तन्नामूलमकुर्वांजलिद्वयंयदत्वाभिधिनिर्वा
॥ ॥ नंदकाश्रीसन्निभययत्रयदवीयत्रामृतयत्रयुष्यं॥ अनुरूपयूष्यं
यदवीयत्रियानाञ्चनाराम॥ ॥ धनयत्रियानयूष्यायाय॥ यूष्यंयत्र॥ वि
कात्मक॥ ॥ काश्रींश्रुं कामयत्रयदवीयादूकायूष्याभिनमः॥ श्रींश्रुं
रुगमाहिनीयदवीयादूकायूष्याभिनमः॥ काश्रींश्रुं त्रैलोक्यनिर्दिष्टानि

[illegible]

आशुतोष आर्य
ASHA ARCHIVES.

3055

यूज्यामिनम ॥ ६६ ॥ न ॥ कां प्रां या काम सिद्धि या दू कां यूज्यामिनम ॥ ७ ॥
(ग्रया ॥ कां प्रां तु कि सिद्धि या दू कां यूज्यामिनम ॥ नमः ॥ कां प्रां नू दु सि
द्धि या दू का यूज्यामिनम ॥ ३६ ॥ कां प्रां या कि सिद्धि या दू कां यूज्यामिन
म ॥ ७ ॥ ७ ॥ कां प्रां सर्व काम सिद्धि या दू कां यूज्यामिनम ॥ स ॥ ७ ॥ राया ॥
कां प्रां जू व का णी ण क्रिया दू कां यूज्यामिनम ॥ ३६ ॥ कां प्रां नू सां ह व
वा ॥ कि प्रां या दू कां यूज्यामिनम ॥ ७ ॥ ७ ॥ कां प्रां तु कां प्रां या दू

कां यूज्यामिनम ॥ दादि ॥ कां प्रां म वे व वी ण क्रिया या दू का यूज्यामिनम ॥
वायो ॥ कां प्रां ल वा ना दा ण क्रिया या दू कां यूज्यामिनम ॥ ७ ॥ ७ ॥ कां प्रां नि न
न्या णी ण क्रिया या दू कां यूज्यामिनम ॥ ७ ॥ कां प्रां म वा म लु ण क्रिया या दू
कां यूज्यामिनम ॥ नमः ॥ कां प्रां ज ७ म ल न क्रिया कां प्रां या दू कां यूज्यामि
नम ॥ दादि ॥ ॥ व तु न म ल ता य व राया ॥ ७ ॥ प्रा ॥ कां प्रां सर्व संक्रा रु णी म
दा द वी ण या दू कां यूज्यामिनम ॥ व तु न म ल ता य व राया ॥ दादि ॥ कां

क्रौञ्चसर्वसंकाशानि मूढाद्याद्यादूकां पूजयामिनमः॥ उरु॥ क्रौञ्च
सर्वविद्याविष्णु मूढाद्याद्यादूकां पूजयामिनमः॥ यूर्ध्व॥ क्रौञ्चसर्वकारिणी
प्रीत्यादूकां पूजयामिनमः॥ दक्षिण॥ क्रौञ्चसर्ववशकाम मूढाद्याद्यादूकां
पूजयामिनमः॥ वीर्य॥ क्रौञ्चसर्वनादिनी प्रीत्यादूकां पूजयामिनमः॥ व
॥ क्रौञ्चसर्वकृष्ण मूढाद्याद्यादूकां पूजयामिनमः॥ श्रीगो॥ क्रौञ्च

वराप्रीत्यादूकां पूजयामिनमः॥ नैमत्य॥ क्रौञ्चवीर मूढाद्याद्यादूकां पूज
यामिनमः॥ उर्ध्व॥ क्रौञ्चायानि मूढाद्याद्यादूकां पूजयामिनमः॥ अथ॥ क्रौ
ञ्चसर्वलु मूढाद्याद्यादूकां पूजयामिनमः॥ उगा॥ यकट्या न्यस्तै ला
कमाह नरायणः॥ सवाह नरायणविद्यायाः॥ सर्वोयवोवै॥ पूजिता॥ सुकु
निसरक्षय्यदत्ता॥ ॥ श्रीगोत्रियूनायक मन्त्रीदद्यात्प्रीत्यादूकां पूजया
मीसद्वैतमूलमूढार्यग्राहिण्यूनसूदनागर्हयामिनमः॥ तर्पयन् ॥ ॥

नमो कसूमादवायादूकीयूजयामिनमः॥ य॥ **कां प्रांयं** ॥ अर्नगममसायादू
कीयूजयामिनमः॥ द॥ **कां प्रांयं** ॥ अर्नगमदनायादूकीयूजयामिनमः॥ य॥
कां प्रांयं ॥ अर्नगमदनातुलायादूकीयूजयामिनमः॥ उ॥ **कां प्रांयं** ॥ अर्नः
गभखायादूकीयूजयामिनमः॥ अ॥ **कां प्रांयं** ॥ अर्नगत्रिगिनीयादूकीयूज
यामिनमः॥ ने॥ **कां प्रांयं** ॥ अर्नगांकुभायादूकीयूजयामिनमः॥ वा॥ **कां प्रांयं**
लकं अर्नगमालिनायादूकीयूजयामिनमः॥ ॥ नतागुयनप्रयागिन्य

सर्वसंस्कारकानकयकसमदुत्यादि॥ स॥ **कां प्रांयं** ॥ अर्नगसूयनीयक
त्रादवायादूकीयूजयामिनमः॥ नयथत॥ यतुदका॥ ॥ **कां प्रांयं** ॥ सर्वसंस्का
रिणीकाकियादूकीयूजयामिनमः॥ **कां प्रांयं** ॥ सर्वविद्याविनीकाकियादूकीयू
जयामिनमः॥ **कां प्रांयं** ॥ सर्वद्रादिनिगाकियादूकीयूजयामिनमः॥ **कां प्रांयं** ॥ सर्व
संभादिनीकाकियादूकायूजयामिनमः॥ **कां प्रांयं** ॥ सर्वसंरिनीकाकियादूकी
यूजयामिनमः॥ **कां प्रांयं** ॥ सर्वदंरुलिनीकाकियादूकीयूजयामिनमः॥ **कां प्रांयं**

वैवर्ण्यं कत्रिणं कियद्दूकं पूजयामिनमः॥ **कां** प्रां यागिन् सर्वसंक्राहकाव
यवकसमूहयादि॥ म॥ **कां** प्रां प्रियूनसूचनीयक्रवत्रिययादूकं पू
जयामिनमतययत्॥ चतुर्दशका॥ **कां** प्रां सर्वसंक्राहिकां कियद्दू
कं पूजयामिनमः॥ **कां** प्रां सर्वविद्याविद्यागकियद्दूकं पूजयामिनमः॥
कां प्रां सर्वकर्षिणीगकियद्दूकं पूजयामिनमः॥ **कां** प्रां सर्वरूदिनिगकिय
दूकं पूजयामिनमः॥ **कां** प्रां सर्वसंसाहिनीगकियद्दूकं पूजयामिनमः॥

कां प्रां सर्वसंरिनीगकियद्दूकं पूजयामिनमः॥ **कां** प्रां सर्वदंरुशिगकि
यादूकं पूजयामिनमः॥ **कां** प्रां सर्ववर्णकत्रिणकियद्दूकं पूजयामिनमः॥
कां प्रां सर्वत्रिनीगकियद्दूकं पूजयामिनमः॥ **कां** प्रां सर्वान्मादिनीगकिय
दूकं पूजयामिनमः॥ **कां** प्रां सर्वार्थसाधनीगकियद्दूकं पूजयामिनमः॥
कां प्रां सर्वानयत्रियुत्रिणिगकियद्दूकं पूजयामिनमः॥ **कां** प्रां सर्वसंक्रम
यीगकियद्दूकं पूजयामिनमः॥ **कां** प्रां सर्वदंरुकर्यकनीगकियद्दूकं पू

[illegible]

मिनम ॥ कां प्रां सर्वदू ४ रव विभा च नी पादू कां पूजया मिनम ॥ कां प्रां सर्वमृत्
यहाम नी पादू कां पूजया मिनम ॥ कां प्रां सर्वविष विनाशनी पादू कां पूजया
मिनम ॥ कां प्रां सर्वगमूदनी पादू कां पूजया मिनम ॥ कां प्रां सर्वमोहाग्भद
यिनी पादू कां पूजया मिनम ॥ नमः ४ कलकोलिनीयागिन्य सर्वार्थ
साधकयक्रमसूदनि ॥ मः ४ संपूज ॥ विप्रागावक्रवत्रादवापादू कां पू
जया मिनम ॥ ॐ निसंपूज नर्याय न ॥ वहिर्दक्ष ॥ कां प्रां सर्वरूपादू कां

पूजयामिनमः॥ **क्रोशो** सर्वदा क्रीयादूकी पूजयामिनमः॥ **क्रोशो** सर्वेभ्यः
वयिनीयादूकी पूजयामिनमः॥ **क्रोशो** सर्वं हनमयीयादूकी पूजयामि
नमः॥ **क्रोशो** सर्वया विविना शिलायादूकी पूजयामिनमः॥ **क्रोशो** सर्वोक्ष
नयादूकी पूजयामिनमः॥ **क्रोशो** सर्वया यरुनायादूकी पूजयामिनमः॥ **क्रोशो**
सर्वानन्दमयीयादूकी पूजयामिनमः॥ **क्रोशो** सर्वत्र कास्वत्रुमिणीयादूकी
पूजयामिनमः॥ **क्रोशो** सर्वयोगरुलपदायादूकी पूजयामिनमः॥

उतामिगर्भयामिनः सर्वत्र काकययक समूहत्यादि॥ **शिव** नमो हिनोच
कवनीयदीयादूकी पूजयामिनमः॥ संयुक्तगर्भयामि॥ **श्रद्धा** **क्रोशो** त्र
हिनीया (गुदगाधीयादूकी पूजयामिनमः॥ **क्रोशो** कामेन्द्राणीयादूकी पू
जयामिनमः॥ **क्रोशो** मादिनीयादूकी पूजयामिनमः॥ **क्रोशो** विमलाणीया
दूकी पूजयामिनमः॥ **क्रोशो** श्रद्धाणीयादूकी पूजयामिनमः॥ **क्रोशो** ऊरि
नीयादूकी पूजयामिनमः॥ **क्रोशो** सर्वेभ्यः न्यायादूकी पूजयामिनमः॥ **क्रो**

श्री कौलिनी वाग्देवता प्रायस्कृत् पूजयामि नमः ॥ प्राञ्जना नरस्य थागिन्य
४ सर्वनाग रुचयक समुद्रमादि ॥ प्रियनायक श्वनादवा श्री वादूकी पूजय
मि नमः ॥ नमो यथा ॥ ॥

१७ तुङ्गपीनरुन (७) लिर्गल नमालापधस्त्रिता रुयकवावनदा
विभगाव चूकवर्तु सदृशवनधनयनी वागीध्वनीरुनरुम्भः
इर्मनिभकमाना ॥ ॥ ॥ कु १ × या गा य ॥ कु १ × गा य ॥ घ ६०

उजमका ॥ (७) १२ वा गा श्रवया ॥ गा २ सि ध ॥ इ १ दृष्टिावह ॥
इ ५ दृष्टीवह ॥ मी १ दिग्न ॥ कु १ कृदुकायात ॥ कु १ कुगुमिसालू ॥
इ ४ य ५ तल्ल ॥ इ १२ यु ५ व ताका ॥ इ ४ कर्गुये ताका वेव ॥ घ
इ ५ कर्गुव ताका व ॥ गा १२ गृगुन ॥ गा १४ धुयाय ॥ या १० श्रयव
॥ वरुगुम ॥ या १०० धुन ॥ धु ६० गा ॥ ध्व १ गावसि ॥ या १ सादुदु ॥
सि सावुसाय यरुकी ॥ उ २ क्रा डागुन उज मका यु १० ॥ व १ का मूने ॥
या १ या गा मूने नद ॥ य २ कृम्याल ॥ य ३० म्वन ॥ गा १२ माकसिने
(७) १२ मदि ॥ या १ सासा ॥ रु २ म्बाव ॥ कु १ × मवुक धैत ॥ य ३ धैतवुक
॥ य ५ साखत्र गि यु ॥ य ३ साखत्र गा यु ॥ कु ५ ता धौरुन ॥ मी २ क युन ॥
उने गिदात ॥ मी २ क मुल ॥ ध्व २ साखरुव गा ॥ कु १० कायालखलि ॥
ध्व २ यमुका ॥ कु १२ क्री ३ ॥ वल वन ॥ वलाली ॥ गा ११ ला ॥ ला रा ॥ खला
(७) २४ सा सखेउ ॥ कु २ सामन ॥ रु ४ सियारुकी ॥ कु २ दाय्याक

कृ१ माता ॥ रं३ दुद्र ॥ श्री१ दुगु ॥ वासला मंड डिता रता ॥ मंड याता गुरा
मंड मत्रव ॥ मंड संधु ॥ मंड सुथ ॥ मंड यी यील ॥ ॥ मंड डिता रता ॥ मंड मत्र
व ॥ मंड विविल ॥ मंड गुथ ॥ मंड संधु ॥ ॥ रता ॥ कृ१ यगुत्र ॥ कृ१ मास ॥
कृ१ माता ॥ रं१ रू ॥ गुरुता ॥ यात्र ॥ रूय ॥ सा मत्र ॥ ॥ नकसाक ॥ कृ१ मत्रसा
वान ॥ गुरुवद ॥ कयुत्र ॥ कमुल ॥ कणता ॥ कृ१ कृम ॥ रं१ मताकि ॥ कृ१ युजा
कि ॥ साधिकि सयागी ॥ गुरुयात्र ॥ या१ यपुजारात्र ॥ रं१ रू ॥ याता रू सवन
सिंधु मंत्र कनसासायया ॥ राथन विपरायको ॥ ॥ गुरा ॥ ॥



